DAINIK JAGRAN

Kozhikode - city with thrilling vibe

Date : 19.12.2019 **| Edition : Delhi | Page :** 3 **| Clip size (cm) : W:** 16 **H:** 19

कोझिकोड (केरल)

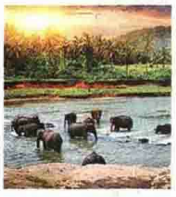

उमंग में झूमता शहर

केरल स्थित कोझिकोड या कालीकट नायाब समुद्री तट और लजीज खानपान के लिए विशेष तौर पर लुभाता है। यहां के समुद्री तटों को स्ट्रीट फूड हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। डॉ. कायनात काजी के साथ चलते हैं कोझिकोड के सफर पर...

थेय्यम कला को अंतिम रूप देता एक स्थानीय कलाकार

इरिंगल में स्थित शिल्प ग्राम

कोझिकोड बीच

अरब सागर के समुद्र तट पर स्थित यह शहर अपनी प्राचीनता और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। समुद्र तट पर यहां-वहां आज भी सीधे खड़े और झुके असंख्य खंभे हैं। इनमें कुछ तो समुद्र के बीच खड़े हैं। इनमें से प्रत्येक सौ साल से अधिक पुराना है। ये सब उस व्यस्ततम बंदरगाह के गवाह हैं, जहां पश्चिम और पूर्व दोनों दिशाओं से बड़े-बड़े व्यापारी आया करते थे। समुद्र तट पर एक लाइटहाउस व मरीन वॉटर एक्वेरियम भी है।

सोने-सी सुनहरी रेत तले जब रक्तिम लालिमा वाला सूर्य थककर समुद्र में समाने लगता है तो नजरें वहीं जम जाती हैं। मन उस दृश्य से एकाकार करने लगता है। ये तेजी से गुजरते पल आसमान को केसरिया से जामुनी और फिर नीले रंगों में बदल देते हैं। जरा कल्पना कीजिए कोझिकोड के समुद्री तट पर इन दृश्यों के बीच नए साल का जश्न कैसा रहेगा? आप देखेंगे, यह पूरा शहर तट पर नये साल की पूर्वसंध्या पर नूतन वर्ष का स्वागत करने जमा होता है। दरअसल, जश्न मनाना और उत्सवों में डूबे रहकर जीवन जीना मलयाली लोगों की रगों में है। यहां की जलवायु ही ऐसी है कि आप जमकर खाते हैं और जमकर पसीना बहाते हैं। नये साल के जश्न के मौके पर कोझिकोड बीच पर खुले आसमां में आतिशबाजी देखना भी काफी सुहाना अनुभव होता है।

मसालों का शहर : भारत के दक्षिण-पश्चिम तट पर स्थित इस शहर की बात ही निराली है। कालीकट कहें या कोझिकोड, यह केरल राज्य का तीसरा बड़ा शहर है। राज्य का सबसे बड़ा महानगरीय क्षेत्र और दुनिया का 192वां सबसे बड़ा शहर है। कहते हैं आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। यूरोपवासी भारतीय मसालों के दीवाने थे। उन तक ये मसाले अरब के व्यापारियों द्वारा पहुंचाए जाते थे, पर वे ऊंची कीमतों पर उन्हें बेचा करते थे। यूरोपवासियों के लाख पूछने पर भी यह बात अरब व्यापारी नहीं बताते थे कि ये मसाले उगाए कहां जाते हैं। तब तक यूरोपवासियों के लिए भारत अनजान था, लेकिन उन्हें यह जरूर पता था कि अफ्रीका के पार एक देश है, जो सोने की चिड़िया है। सात समंदर पार कर पुर्तगाली वास्को डि गामा जहां पहुंचा, वह कालीकट का बंदरगाह ही था, जिसे अब कोझिकोड के नाम से जाना जाता है।

इतिहास से नाता : कोझिकोड के होने के प्रमाण तीसरी-चौथी शताब्दी ईसापूर्व संगम काल में भी मिलते हैं, तब यह स्थान चेर साम्राज्य के अधीन एक निर्जन स्थान के रूप में दर्ज है। कालीकट बंदरगाह का जिक्र प्रसिद्ध यात्री इब्ने बतूता ने भी किया है। जब वास्को डि गामा भारत आया, उस समय कालीकट पर जमोरिन का राज था। जमोरिन ने कोल्लम से पंथालयिनी कोल्लम (कोयलंडी) तक के क्षेत्र पर शासन किया। वास्को डि गामा जमोरिन के दरबार में गया और राजा से कारोबार के लिए हामी भरवा ली। वास्को डि गामा कालीकट में 3 महीने रहने के बाद पुर्तगाल लौट गया और अगले बीस वर्षों तक भारत नहीं आया, लेकिन उसने यूरोप के व्यापारियों, लुटेरों और शासकों के लिए भारत का रास्ता जरूर खोल दिया था।

कप्पड़ बीच-ऐतिहासिक समुद्री तट : कालीकट और वास्को डि गामा की कहानियां सुनकर किसी के भी मन में यह इच्छा हो सकती है कि उस स्थान को देखा जाए, जहां पहली बार वास्को डि गामा पहुंचा था। अगर आप भी इस जगह को देखने चाहते हैं तो कोझिकोड से करीब 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक शांत समुद्र तट कप्पड़ बीच पहुंच जाइए। इस बीच का ऐतिहासिक महत्व है। यहां सरकार द्वारा स्थापित कराया गया पत्थर का एक शिलालेख भी मौजूद है, जिस पर खुदा हुआ है- वास्को डि गामा लैंडिंग, वर्ष 1498। यहां लोग पूरे परिवार के साथ पिकनिक मनाने आते हैं।

मानाचिरा स्क्वॉयर: शहर के दिल में स्थित है एक ऐतिहासिक तालाब, जिसे यहां के राजा जमोरिन ने चौदहवीं शताब्दी में आम लोगों की पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए

बनवाया था। लगभग चार एकड़ में फैला यह तालाब उस समय नगर की गतिविधियों का केंद्र हुआ करता था। इसी तालाब के नजदीक एक बड़ा पार्क है, जिसे मानाचिरा पार्क कहा जाता है। इस पार्क के बीचोंबीच प्रसिद्ध पोलिश-अमेरिकी कलाकार जसेक टायल्की द्वारा बनाया गया एक बड़े पात्र जैसा स्कल्प्चर मौजूद है, जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा है-'गिव इफ यू कैन-टेक इफ यू हैव टू'। यह इबारत इस शहर के मिजाज को बयां करती है। इस स्कल्प्चर को 2015 में स्थापित किया गया था।

विज्ञान केंद्र और तारामंडल: यहां विज्ञान और प्रौद्योगिकी को रोजमर्रा की जिंदगी में प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार की परियोजना के तहत विज्ञान केंद्र स्थापित किया गया है। यहां कई गैलरियां और शोकेस भी हैं। इसके अलावा, यहां 250 लोगों के बैठने की क्षमता वाला ऑडिटोरियम, 3डी शो, मिरर मैजिक और प्ले एरिया के साथ तारामंडल और अन्य आकर्षण मौजूद हैं। यह जगह बस स्टैंड के पास जफर खान रोड पर स्थित है। यहां छात्रों और आगंतुकों के लिए नियमित रूप से वर्कशॉप आदि का आयोजन भी किया जाता है।

> कोझिकोड लंबे समय तक आधुनिक पर्यटकों के लिए अनजान बना रहा था, पर अब पर्यटन की दृष्टि से पूरे मालाबार क्षेत्र को बड़े पैमाने पर नवीन रूप में तैयार किया जा रहा है। सबके लिए कुछ न कुछ खास है यहां। आप चलियार नदी या तुषारागिरि में कयाकिंग के लिए जा सकते हैं, तो वायनाड पहाड़ी की यात्रा भी कर सकते हैं। कुछ अलग देखना हो तो इरिंगल में शिल्प गांव का दौरा कर सकते हैं। यदि आप खानपान के शौकीन हैं तो यह शहर आपको शानदार मौके देता है।
>
>
>
> -रानी जॉर्ज
>
> सचिव, केरल पर्यटन

लाइट हाउस

कोझिकोड बीच से लगा हुआ सफेद-लाल रंग का लाइट हाउस कहने को तो एक खामोश संरचना जैसा नजर आता है, लेकिन यह भी अपने में एक गवाह है कोझिकोड तट पर बदलते व्यापारिक समीकरणों का। आज यह एक 15 मीटर की संरचना है, जिसका पुनर्निर्माण वर्ष 1907 में तत्कालीन ब्रिटिश शासन द्वारा करवाया गया था। इससे पहले यह 33 मीटर ऊंचा लाइट हाउस था, जिसका निर्माण 1847 में किया गया था। शुरुआत में नारियल के तेल का उपयोग करके इस लाइट हाउस से प्रकाश फैलाया जाता था। बाद में काफी शोध के बाद तत्कालीन मद्रास प्रेसिडेंसी के एक इंजीनियर ने इस लाइट हाउस की ऊंचाई कम करने की सलाह दी, जिससे प्रकाश ज्यादा प्रभावी रूप से काम करे। वर्ष 2008 में इस लाइट हाउस में एलईडी बल्ब लगाए गए थे।

वायनाड व्यू पॉइंट

कोझिकोड शहर के नजदीक एक पर्वत है, जिसे मालाबार की गवी कहा जाता है। यह समुद्र तल से लगभग 567 मीटर की ऊंचाई पर और कोझिकोड शहर से करीब 55 किमी. दूर स्थित है। अगर आप रोमांच के शौकीन हैं तो आपको यह जगह बहुत पसंद आएगी। यह हाल ही के दिनों में विकसित हुआ टूरिस्ट पॉइंट है। स्थानीय लोग यहां पिकनिक मनाने जाते हैं। पहाड़ पर स्थित होने के कारण यहां लोग कैम्पिंग करने भी आते हैं। आपको ट्रेकिंग का आनंद लेना है तो यह जगह मुफीद है। मानसून में यह स्थान बादलों से घिर जाता है। जहां तक नजर जाती है आसपास नारियल के पेड़ किसी कालीन से बिछे दिखाई देते हैं। यहां से कक्कायम बांध का दृश्य बहुत खूबसूरत नजर आता है।

आसपास कितने खास

बेयपोर बीच

जैसे-जैसे हम दक्षिण केरल से उत्तर की ओर बढ़ते हैं, हमें बैक वाटर्स के स्थान पर सुंदर बीच नजर आने लगते हैं। कोझिकोड बीच से मात्र 10 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है प्राचीन नगर बेयपोर। अरब सागर से लगा हुआ यह नगर एक सुंदर बीच के लिए भी जाना जाता है। सुनहरी रेत और झिलमिलाता समुद्र का नीला पानी इस बीच को अनोखा बनाता है। यहां से सूर्यास्त देखना बहुत सुंदर अनुभव होता है।

बेपोर जहाज निर्माण क्षेत्र ▲

कोझिकोड से मात्र 10 किलोमीटर पहले एक तटीय गांव है बेपोर, जो आज भी पानी के विशाल जहाज बनाने के लिए जाना जाता है। इस जगह का इतिहास पहली शताब्दी के समय का है। यहां विशाल जहाज जिसे मलयालम में उरु कहा जाता है, आज भी महीनों की मेहनत के बाद हाथों से बनाए जाते हैं। यहां पर रहने वाले खलियास लोग उरु बनाने के लिए पारंपरिक कारीगर माने जाते हैं, जिनकी कृतियों को उनके उत्तम और मजबूत कौशल के कारण जहाज निर्माण उद्योग में बहुत सम्मान दिया जाता रहा है। एक उरु यानी जहाज का निर्माण करने में कम से कम चार साल का समय लगता था और चालीस लोग लगते हैं। इसके लिए वे नीलांबुर वन से लाई गई विशेष टीक वुड का उपयोग करते हैं।

बीच पर स्ट्रीट फूड हब

कोझिकोड एक इंटरनेशनल सिटी है। यहां अंग्रेज, पुर्तगाली, अरब आदि आए और उनके साथ आए उनके स्वाद। आज पूरे मालाबार में अनेक प्रकार के खाने देखने को मिलते हैं। यहां के पारंपरिक मलयाली स्वाद, जैसे अनापथिरी, पहाड़ों पर रहने वाले आदिवासियों के प्राकृतिक स्वाद और डच व ब्रिटिश द्वारा लाए यूरोपियन स्वाद को एक स्थान पर चखने के लिए एक अनोखी पहल की गई है। इन सभी समुदायों को अपने-अपने स्वाद का जादू बिखेरने के लिए एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया गया है, जिसे नाम मिला है मालाबार फूड फेस्ट का। इस उत्सव में मालाबार के विभिन्न हिस्सों से 100 गृहिणियों द्वारा तैयार किए गए मालाबारी व्यंजनों की उत्तम किस्में मिलती हैं। इस फेस्ट के लिए उस स्थान को भी चुना गया है, जो यहां का प्रसिद्ध कोझिकोड बीच है। यहां बीच पर स्ट्रीट फूड का आनंद अपने आप में अनूठा है। आइस उराठी, परीपुर वडा जैसे लोकप्रिय मलयाली पकवान यहां आपको खूब लुभाएंगे। यहां का दृश्य अद्भुत होता है। एक ओर स्वाद के खोमचे सजे होते हैं, तो दूसरी ओर स्टेज पर लाइव परफॉर्मेंस चल रही होती है।

अनापथिरी

एसएम स्ट्रीट-बिजनेस हब

बात शॉपिंग की हो और एसएम स्ट्रीट का नाम न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। आप देश के प्राचीनतम बिजनेस हब में मौजूद हैं तो बाजार तो खास होगा ही। कोझिकोड शहर का सबसे प्रसिद्ध बाजार है एसएम स्ट्रीट। इसे कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे स्वीटमेट स्ट्रीट, मिठाई थेरुवु आदि। कहते हैं कि इस बाजार में दुनिया की हर चीज मिल जाती है। वैसे इसकी शुरुआत भी कम दिलचस्प नहीं है। इस बाजार का इतिहास जमोरिन साम्राज्य से जुड़ा है। इस बाजार को जमोरिन राजा की फरमाइश पर बसाया गया था और यहां गुजरात से आए मिठाई बनाने वालों को दुकानें दी गई थीं, इसीलिए इसे स्वीटमेट स्ट्रीट नाम मिला। 2017 में इस बाजार का कायापलट किया गया। कभी यहां काफी भीड़ होती थी, पर अब यहां गाड़ियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है और पैदल चलने के लिए पथ विकसित किए गए हैं।

मालाबार वन्यजीव अभयारण्य

मालाबार वन्यजीव अभयारण्य पश्चिमी घाटों के साथ स्थित एक संरक्षित क्षेत्र है और कोयलांडी तालुक के चक्कितापारा और कोराचुंडु गांवों में 74 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यह वन्यजीव अभयारण्य मालाबार क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता की रक्षा के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यहां वन्य जीवों के अलावा विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे पक्षियों को देखने का मौका भी मिलता है। यह अभयारण्य दुर्लभ उभयचरों का घर है, विशेष रूप से फिलाट ओसचलैंड्राई नामक मेढक की किस्म का। यह पैपिलियो लिओमेडोन, पैपिलियो पेरिस, पैपिलियो द्रविड़ारुम और ट्रीओनिस सीता जैसी तितलियों के लिए भी एक आश्रय स्थल है। यहां मछलियों की कई किस्में जैसे बरिलियस बेकेरी, तोर खुड़ी, मिस्टस विट्टैटस और पुंटियस डेनिसोनी भी देखी जाती हैं। यह अभयारण्य कई मायनों में खास है। इसे नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व की सीमा के भीतर स्थित होने के कारण वायनाड हाथी रिजर्व का एक अभिन्न अंग माना जाता है।

कैसे और कब जाएं

यह शहर वायु, रेल और सड़क तीनों मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए अच्छा है। कालीकट इंटरनेशनल एयरपोर्ट भारत के मुख्य शहरों से जुड़ा हुआ है। कोझिकोड का अपना रेलवे स्टेशन भी है। यह शहर केरल का बड़ा शहर है जहां के सड़क मार्ग भी शानदार हैं और सभी बड़े शहरों से जुड़े हुए हैं। मसालों के शहर कोझिकोड घूमने की योजना बना रहे हैं तो सितंबर से मार्च का समय उपयुक्त है।

अपनी राय हमें जरूर बताएं: feature@ndajagran.com